दैनिक भास्कर

जयपुर 07-11-2024

राइजिंग राजस्थान के तहत सीतापुरा में कार्यक्रम; मुख्यमंत्री बोले- 6 लाख युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में रोजगार देंगे

एजुकेशन प्री-समिट में 28 हजार करोड़ रुपए के 507 एमओयू

जयपुर | शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को राइजिंग राजस्थान के तहत जयपुर के सीतापुरा स्थित एक निजी होटल में एजुकेशन प्री-समिट का आयोजन किया गया। इस दौरान राजस्थान के शिक्षा, उच्च शिक्षा, खेल और कौशल एवं उद्यमिता विभाग में 28050.62 करोड़ रुपए के 507 प्री एमओयू हुए।

उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यमिता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन हुआ। समिट भविष्य के विकास के लिए रणनीतियों और नवाचारों पर विचार-विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम 6 लाख से अधिक युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में रोजगार देने की तैयारी कर रहे हैं। चाहे खनन हो, स्वास्थ्य हो या ऊर्जा, सभी क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 राजस्थान के लिए आर्थिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने कहा कि अपनी माटी से जुड़ने के लिए मैं राजस्थान के लोगों का, निवेशकों, भामाशाहों, दानदाताओं का आभार प्रकट करता हूं। युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षा डिग्री के लिए नहीं जीवन के लिए होनी चाहिए। राजस्थान सरकार ने राउंड टेबल इंडिया के साथ एमओयू किया, जिसके तहत सरकारी स्कूलों में अगले पांच वर्षों में 650 कक्षाओं का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 50 करोड़ रुपए होगी। राउंड टेबल इंडिया की ओर से एरिया चेयरमैन अनुतोष संचेती और इमीडियट पास्ट एरिया चेयरमैन हिमांशु मेंदीरत्ता उपस्थित थे। एक सेशन में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने कहा कि डिजाइन और फैशन के फील्ड में आज अपार संभावनाएं हैं। वहीं, जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने राजस्थान शिक्षा विभाग के साथ एमओयू के माध्यम से अगले पांच वर्षों में बाल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 36 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है।

विभाग में ये काम हो सकेंगे

इन एमओयू जरिए सरकारी स्कूलों में सोलर सिस्टम की स्थापना, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लासरूम, फर्नीचर, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में डाइनिंग हॉल, भवन निर्माण सहित कई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही स्कूली छात्रों को स्वेटर, जूते उपलब्ध कराए जाएंगे। वहीं प्रदेश में जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के विकास, स्कूलों में ब्लॉक लेवल पर खेल के स्टेडियम, ऑनलाइन परीक्षा सुविधा केंद्रों की स्थापना और लड़कियों के लिए सैनिक एकेडमी की स्थापना भी की जाएगी। इस प्री समिट का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल, ई- लर्निंग, डिजीटल शिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर उच्च-स्तरीय मंथन करना है।